Roll No. ..... Total Pages : 3

LMDE/D-23 **9693**

INDIAN LOGIC

Paper–PHI-HC-101

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note : Attempt *five* questions in all, selecting *one* question from each unit. Objective type question is compulsory. All questions carry equal marks.

नोट : प्रत्येक इकाई में से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें। वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

UNIT–I (इकाई–I)

1. Discuss nature and utility of logic with reference to Indian logic. 16

भारतीय तर्कशास्त्र के सन्दर्भ में तर्कशास्त्र के स्वरूप एवं उपयोगिता की चर्चा करें।

2. Discuss definition and constituents of Anumana in Buddhism. 16

बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमान की परिभाषा एवं अवयवों का विवेचन करें।

UNIT–II (इकाई–II)

3. Explain different types of Anumana in Nyaya. 16

न्याय के अनुसार अनुमान के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या करें।

4. Write a detailed note on Hetvabhas. 16

हेत्वाभास पर एक विस्तृत निबन्ध लिखें।

UNIT–III (इकाई–III)

5. Explain the concept of Vyaptigrahopaya. 16

व्याप्तिग्रहोपाय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

6. Write a full note on Apoha Theory. 16

अपोह सिद्धान्त पर एक पूर्ण नोट लिखें।

UNIT–IV (इकाई–IV)

7. Explain the Theory of Nayavada. 16

नयवाद सिद्धान्त की व्याख्या करें।

8. What do you understand by Anekantvada? Explain critically. 16

अनेकान्तवाद से आप क्या समझते हैं? आलोचनात्मक व्याख्या करें।

Compulsory Question (अनिवार्य प्रश्न)

Objective Type Question (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

9. State whether the following statements are True or False :

(a) The founder of Nyaya Philosophy was Gautam.

(b) Buddhism believed in Anumana.

(c) Anumana is the first source of knowledge.

(d) Hetvabhasa are five in number.

(e) Tarka is a kind of Vyaptigrahopaya.

(f) Apoha Theory is related to Jainism.

(g) The founder of Jain Philosophy was Mahavir.

(h) Anekantvada is a theory of Buddhism.

बताइए कि निम्न कथन सत्य हैं या असत्य :

(क) न्याय दर्शन के प्रणेता गौतम थे।

(ख) बौद्ध दर्शन अनुमान में विश्वास करता है।

(ग) अनुमान ज्ञान का प्रथम स्रोत है।

(घ) हेत्वाभास संख्या में पाँच हैं।

(ङ) तर्क व्याप्तिग्रहोपाय का एक प्रकार है।

(च) अपोह सिद्धान्त जैन दर्शन से सम्बन्धित है।

(छ) जैन दर्शन के प्रणेता महावीर थे।

(ज) अनेकान्तवाद बौद्ध का एक सिद्धान्त है।